B.A.- II (CBCS Pattern) Sem-III

BA12B-4 : Pali Literature (पालि वाङ्मय)

P. Pages : 4 **GUG/W/22/10059**

Time : Three Hours Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडवणे आवश्यक आहे.
सभी सवाल छुडाना अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा.
स्विकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

तेन समयेन बुध्दो भगवा उरुवेलायं। विहरति नज्जा नेरज्जराय तीरे बोधिरुक्खमूले पठमाभिसम्बुध्दो। अथ खो भगवा बोधिरुक्खमूले सत्ताहं एकपल्लङकेन निसीदि विमुतिसुखपटिसंवेदी। अथ खो भगवा रतिया पठमं यामं पटिच्चसमुप्पादं अनुलोमपटिलोमं मनसाकासि - "अविज्जापच्चया सङखारा, सङखारापच्चया विञ्ञाणं, विञ्ञाणपच्चया नामरुपं, नामरुपपच्चया सळायतनं, सळायतनपच्चया फस्सो, फस्सपच्चया वेदना, वेदनापच्चया तण्हा, तण्हापच्चया उपादानं, उपादानपच्चया भवो, भवपच्चया जाति, जातिपच्चया जरामरणं सोकपरिदेवदुक्ख दोमनस्सुपायासा सम्भवन्ति - एवमेतस्स केवलस्स दुक्खक्खन्धस्स समुदयो होति।

किंवा / अथवा

अथ खो यसस्स कुलपुत्तस्स माता पासाद अभिरुहित्वा यसं कुलपुत्तं अपस्सन्ती येन सेट्ठि गहपति तेनुपसङ्कमि, उपसङ्कमित्वा सेट्ठि गहपति एतदवोच - "पुत्तो ते, गहपति, यसो न दिस्सती' ति। अथ खो सेट्ठि गहपतिचतुदिसा अस्सदूते उय्योजेत्वा सामयेव येन इसिपतनं मिगदायो तेनुपसङ्कमि। अद्दसा खो सेट्ठि गहपति सुवण्णपादुकानं निक्खेपं, दिस्वान तंयेव अनुगमासि। अद्दसा खो भगवा सेट्ठिं गहपतिं दूरतोव आगच्छन्तं, दिस्वान भगवतो एतदहोसि - "यनूनाहं तथारुपं इध्दाभिसङखारं अभिसङखरेय्यं यथा सेट्ठि गहपति इध निसिन्नो इध निसिन्नं यस कुलपुत्तं न पस्सेय्या" ति।

ब) मुचलिन्द कथेचा सारांश लिहा. **6**
मुचलिन्द कथा का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

अनत्तपरियाय सुत्ताचा सारांश लिहा.
अनत्तपरियाय सुत्त का सार लिखिए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) करणीयमत्थकुसलेन, यन्स सन्तं पदं अभिसमेच्च।
सक्को उजू च सुहूजूच, सूवचो चस्स मुदु अनतिमानी॥
2) सन्तुस्सको च सुभरो च, अप्पकिच्चो च सल्लहुकवुचि।
सन्तिन्द्रियो च निपको च, अप्पगब्भो कुलेस्वननुगिध्दो॥
3) न च खुद्दमाचरे किञ्चि, येन विञ्ञू परे उपवदेय्युं।
सुखिनो वाखेमिनो होन्तु, सब्बसत्ता भवन्तु सुखितत्ता॥

4) ये केचि पाणभूतत्थि, तसा वा थावरा वनवसेसा।
दीघा वा ये व महन्ता, मज्झिमा रस्स का अणुकथूला॥

किंवा / अथवा

1) मुनिचरन्तं तिरतं मेथुनस्मा, यो योब्बने नोपनिबज्झतेक्वचि।
मदप्पमादा विरतं विप्पमुत्तं, तं वापि धीरा मुनि वेदयन्ति॥
2) अञ्ञाय लोकं परमत्थदस्सिं,ओघं समुद्दं आतेतरिय तादिं।
तं छिन्नगन्थं असितं अनासवं, तं वापि धीरा मुनि वेदयन्ति॥
3) असमा उभो दूरविहरवुत्तिनो, गिही दारपोसी अममो च सुब्बतो।
परपाणरोधाय गिही असञ्ञतो, निच्चं मुनी रक्खति पाणिने यतो॥
4) सिखी यथा नीलगीवो विहङ्गमो, हंसस्स नोपेति जवं कुदाचन।
एवं गिही नानुकरोति भिक्खुनो, मुनिनो विवित्तस्स वनम्हि झायतोति।

ब) पराभव सुत्ताचा सारांश लिहा. **6**
पराभव सुत्त का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

कसिभारद्वाज सुत्ताच्या आधारे भगवान बुध्दाच्या शेतीचे वर्णन करा.
कसिभारद्वाज सुत्त के आधार से भगवान बुध्द की कृषी का वर्णन कीजिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) सन्तं तस्स मनं होति, सन्ता वाचा च कम्मच।
सम्मदञ्ञा विमुत्तस्स, उपसन्तस्स तादिनो॥
2) अस्सध्दो अकतञ्ञूच, सन्धिच्छेदो च यो नरो।
हतावकासो वन्तासो, स वे उत्तमपोरिसो॥
3) गामे वा यदि वारञ्ञे, निन्ने वा यदि वा थले।
यत्थ अरहन्तो विहरन्ति, तं भूमिरामणेय्यकं॥
4) रमणीयानि अरञ्ञानि, यत्थ न रमती जनो।
वीतरागा रमिस्सन्ति, न ते कामगवेसिनो॥

किंवा / अथवा

1) अपि दिब्बेसु कामेसु, रतिं सो नाधिगच्छति।
तण्हक्खयरतो होति, सम्मासम्बुध्दसावको॥
2) बहुं वे सरणं यन्ति, पब्बतानि वनानिच।
आरामरुक्खचेत्यानि, मनुस्सा भयतज्जिता॥
3) नेतं खो सरणं खेमं, नेतं सरणमुत्तमं।
नेतं सरणमागम्म, सब्बदुक्खा पमुच्चति॥
4) यो च बुध्दञ्च धम्मञ्च, सङघञ्च सरणं गतो।
चत्तारि अरियसच्चानि, सम्मप्पञ्ञाय पस्सति॥

ब) कोध वग्गाचा सारांश लिहा. **6**
कोधवग्ग का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

भिक्खु वग्गाचे विस्तृत रुपात वर्णन करा.
भिक्खु वग्ग का विस्तृत रुप में वर्णन कीजिए।

4. अ) विभक्ती प्रत्यय लिहा **कोणतेही एक** **4**
विभक्ती प्रत्यय लिखिए **कोई भी एक।**
1) मातु 2) पितु 3) अम्ह

ब) भविष्य काळातील रुपे तयार करा **कोणतेही दोन.** **2**
भविष्यकाल के रुप तयार कीजिए **कोई भी दो।**
1) कर 2) खाद
3) वद 4) गम

क) पूर्वकालिक क्रिया तयार करा **कोणतेही दोन.** **2**
पूर्वकालिक क्रिया तयार कीजिए **कोई भी दो।**
1) पच 2) सु
3) लज्ज 4) कर

ड) स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा. **4**
स्विकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।
1) नरा गामे कुपंखनिसन्ति। 2) भरिया पुत्तं गण्हिस्सति।
3) अहं विहारे गच्छामि। 4) तस्स नाम महामाया अत्थि।

इ) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद कीजिए।
1) आज मी घरी जात आहे.
आज मैं घर जा रहा हूँ।
2) पापी लोक पाप पसरवितात.
पापी लोग पाप फैलाते है।
3) मुलगा पुस्तक वाचत नाही.
लड़का किताब नहीं पढ़ता।
4) शास्ताने एका भिक्खूला पाहिले.
शास्ताने एक भिक्खू को देखा।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**
1) सुत्तनिपात 2) यस गहपति
3) धम्मपद 4) विनयपिटक

ब) योग्य पर्याय निवडा. **10**
योग्य पर्याय चुनिएँ।
1) गौतमाच्या वडीलांचे काय नाव होते?
गौतम के पिताजी का क्या नाम था?
अ) शाक्योदन ब) शुध्दोदन
क) अमितोदन ड) शुक्लोदन

2) बुध्द वग्गात एकूण किती गाथा आहेत.
बुध्दवग्ग में कुल कितनी गाथाएँ है।
अ) 17 ब) 16
क) 18 ड) 19

3) मुचलिन्द कथा कुठून घेण्यात आली.
मुचलिन्द कथा कहाँ से ली गई?
अ) महावग्ग ब) लघुवग्ग
क) चुल्लवग्ग ड) यापैकी नाही

4) धम्मपदात एकूण किती वग्ग आहेत?
धम्मपद में कुल कितने वग्ग है?
अ) 24 ब) 28
क) 25 ड) 26

5) भगवान बुध्दांनी बौध्दिक शेती कुणाला समजावून सांगितली?
भगवान बुध्द ने बौध्दिक खेती किसे समझा के बताया?
अ) शोन ब) कसिभारव्दाज
क) राहुल ड) अजातशत्रु

6) भिक्षुंच्या संविधानाला म्हणतात?
भिक्षुं के संविधान को कहते है?
अ) महावग्ग ब) विनयपिटक
क) सुत्तपिटक ड) धम्मपद

7) धम्मपद शब्दात किती शब्द समाविष्ट आहेत?
धम्मपद शब्द में कितने शब्द अंतर्भूत है?
अ) एक ब) दोन
क) तीन ड) चार

8) गौतमाला सम्बोधी प्राप्ती कोणत्या पौर्णिमेला झाली?
गौतम को सम्बोधी प्राप्त कौनसी पूर्णिमा को हुई।
अ) वैशाख ब) श्रावण
क) कार्तिक ड) अश्विन

9) बुध्दाने उपासकाकरिता शील सांगितले आहेत?
बुध्दने उपासक के लिए शील बनाए है?
अ) चार ब) पाच
क) तिन ड) आठ

10) बोधिवृक्ष याला म्हणतात?
बोधिवृक्ष इसे कहते है?
अ) पिंपळ ब) वड
क) शाल ड) जांभूळ

****